शेयर बाजार के बारे में तो आपने जरूर सुना होगा, अगर आप एक निवेशक या ट्रेडर है तो फिर इससे मिलने वाले रिटर्न के बारे में भी जानते होंगे। लेकिन, क्या आपको **शेयर बाजार के नियम** (Share Market Rules in Hindi) पता है?

जी हाँ!

शेयर बाजार के नियम एक ट्रेडर या निवेशक के लिए जानना बहुत जरूरी है। ऐसे बहुत किस्से सुने होंगे की कई बार मार्केट के बड़े-बड़े दिग्गजों के पैसे भी डूब जाते है और नए ट्रेडर अच्छा प्रॉफिट बना लेते है।

शेयर बाजार में अन्य इन्वेस्टमेंट सेगमेंट की तुलना में ज्यादा रिटर्न तो है, लेकिन मार्केट में इंवेस्ट करना इतना भी आसान नहीं है।

जरूरी है की शेयर मार्केट में अगर ट्रेडिंग करना चाहते है तो आपको एक सोच समझकर प्लान बनाना चाहिए। और आपको अपनी रणनीति बनाते हुए ही **शेयर बाजार के नियम** को भी दिमाग में रखना चाहिए।

अक्सर कई लोग शेयर मार्केट में निवेश अपने रिश्तेदारों या दोस्तों की बातों में आकर कर देते है और अपनी मेहनत की पूँजी डूबा बैठते है। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है की निवेश करने से पहले **शेयर बाजार के नियम** को अच्छे से समझ लिया जाए।

Share Market Rules in Hindi

पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन ट्रेडिंग में एक अभूतपूर्व विकास देखा गया है। और ऐसा होने के पीछे कारण भी बहुत स्पष्ट है, क्योंकि शेयर बाजार में रिटर्न की संभावना ज्यादा रहती है। लेकिन साथ में, अगर प्रॉपर प्लानिंग ना की जाए तो पैसे डूबने का दर भी बना रहता है।

इसलिए, यदि आप भी शेयर बाजार की दुनिया में कदम रखना चाहते है तो कुछ बुनियादी **शेयर बाजार के नियम** जरूर जान लें।

शेयर बाजार के नियम ही आपको ट्रेडिंग में जुड़े रिस्क को कम करता है और आपको प्रॉफिट कमाने में मदद करता है।

आप शेयर बाजार में ट्रेडिंग करते हैं तो मुख्य 3 बिंदुओं जैसे एंट्री (Entry) एग्जिट (Exit) और स्टॉप-लॉस (Stop-Loss) को विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। इसके अलावा आपको अपनी ट्रेड के लिए **प्लानिंग पोजीशन साइज**, **सही ब्रोकर का चुनाव**, **रिसर्च** इत्यादि भी बेहद अहम है।

अब जानते है ट्रेडिंग करने के लिए **शेयर बाजार के नियम** कितना प्रभावी भूमिका निभाते है।

शेयर मार्केट रूल्स इन हिंदी

यहां 15 मुख्य शेयर बाजार के नियम है जो आपको ट्रेडिंग शुरू करने में सहायक होंगे।

1. सही ट्रेड योजना (Trade Plan) - ट्रेडिंग करने के सबसे जरूरी प्रॉपर इंवेस्टमेंट प्लान है यानी की आपके पास ट्रेडिंग / निवेश करने से पहले पूरी योजना तैयार हो।

शेयर बाजार में केवल कुछ किताबे पढ़कर या किसी के कहने पर अकाउंट खोल लेना और शेयर खरीद लेने से ही प्रॉफिट नहीं कमाया जा सकता है। शेयर बाजार एक कम्पलीट प्लानिंग का गेम है।

आपको ट्रेड प्लान बनाने के लिए एक रणनीति पर काम करना होगा। जहां आप अपने रिस्क लेने की क्षमता, इन्वेस्टमेंट गॉल (निवेश लक्ष्य), कैपिटल, इन्वेस्टमेंट टाइम यानि की शॉर्ट टर्म या लॉन्ग टर्म के लिए करना है, इत्यादि जैसे मुख्य बिंदुओं को तय करना है।

2. सही ब्रोकर का चुनाव - मूल रूप से शेयर बाजार के नियम में सबसे पहले बात सही ब्रोकर का चुनाव को लेकर है। आपको किसी प्रतिष्ठित और विश्वसनीय ब्रोकर के साथ ऑनलाइन ट्रेडिंग अकाउंट खोलना है।

एक नए ट्रेडर के लिए सही ब्रोकर चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसा हम इसलिए कह रहे है की क्योंकि एक सही स्टॉक ब्रोकर से आपके पोर्टफोलियो परफॉर्मेन्स पर बहुत पॉजिटिव इम्पैक्ट पड़ सकता है।

साथ ही आपको अच्छी रिसर्च रिपोर्ट, चार्टिंग टूल्स, ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म इत्यादि को एक्सेस करने की सुविधा दी जाती है।

3. सही स्टॉक पर पैसा लगाएं - अक्सर ट्रेडर या निवेशक किसी भी लोकप्रिय स्टॉक पर पैसा लगा देते है। यह तरीका सही तो है लेकिन इसे एक सफल तरीके के रूप में नहीं देखा जा सकता है।

अच्छा होगा की आप स्टॉक पर पैसा लगाने के बजाये एक कंपनी या बिज़नेस पर पैसा लगाए। जैसे आप किसी एक लोकप्रिय और विश्वसनीय ब्रांड पर पैसा लगा सकते है जो अच्छा रिटर्न देता हो।

लेकिन ऐसा करने से पहले उस कंपनी के बारे में सारी रिसर्च कर लें। आपको उस कंपनी के निम्नलिखित बिंदुओं पर शोध करना होगा:

- **कंपनी का टर्नओवर:** किसी भी कंपनी के शेयर में निवेश करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें की कंपनी का टर्नओवर क्या है। साथ ही कंपनी के पुराने परफॉरमेंस पर नजर डालें कंपनी की ग्रोथ की संभावना को आकलन किया जा सकता है।
- **प्रॉफिट पर नजर रखे:** कंपनी के स्टॉक में निवेश करने से पहले कंपनी की नेट प्रॉफिट, रेवेन्यू जैसे आकड़े पर जरूर शोध करे। और इसके अलावा आपको कंपनी के वार्षिक और तिमाही रिपोर्ट पर ध्यान दें।
- **मैनेजमेंट:** किसी भी कंपनी की सफल होने के पीछे उसके मैनेजमेंट की सबसे बड़ी भूमिका होती है। अगर कंपनी की मैनेजमेंट नए और इनोवेटिव आईडिया, स्किल्स डेवलपमेंट और कम संसाधनों में बेहतर कार्य करती है तो निश्चित रूप से आप उस कंपनी पर भरोसा कर सकते है।
- **डेब्ट / इक्विटी रेश्यो:** कंपनी की डेब्ट रेश्यो क्या है यह जानना बहुत जरुरी है। आप इस रेश्यो से यह पता लगा सकते है की एक कंपनी पर शेयरहोल्डर्स की तुलना में क़र्ज़ है। यदि यह रेश्यो कम होता है तो कंपनी में इन्वेस्टमेंट के रिस्क को भी कम ही माना जाता है।
- **वैल्यूएशन:** इससे यह तय किया जा सकता है की कंपनी का शेयर कितना महंगा या सस्ता हो सकता है। यह पैरामीटर किसी कंपनी के शेयर के भाव को बढ़ाता या कम करता है।

4. स्टॉप-लॉस: हाल के दिनों में स्टॉप-लॉस बहुत ज्यादा लोकप्रिय हुआ है। यह **शेयर बाजार के नियम** में सबसे जरुरी नियम है। स्टॉप-लॉस आर्डर आपके ट्रेडिंग के जोखिमों को कम करता है। यह एक ऑटोमैटिक आर्डर है जो शेयर खरीदने या बेचने के पहले लगाया जाता है।

यह एक जोखिम की पूर्व-निर्धारित अमाउंट है जो एक ट्रेडर हर ऑर्डर के साथ वहन करने को तैयार रहता है। इसलिए आप स्टॉप-लॉस को कभी नजरअंदाज ना करे, विशेष रूप से नए ट्रेडर के लिए ज्यादा जरूरी है।

5. भावनाओं पर नियंत्रण: अगर ऐसा कहें की यह शेयर बाजार के नियम ही नहीं है बल्कि आपके सभी इन्वेस्टमेंट फैसले के लिए जरूरी है तो इसमें कोई दो राय नहीं बननी चाहिए। विशेष रूप से शेयर बाजार के लिए इमोशन कंट्रोल रखना बहुत जरूरी है।

ऐसा हम इसलिए कह रहे है और यह शेयर बाजार के नियम में इसलिए रखा गया है क्योंकि आपको अक्सर त्वरित निर्णय लेने होते है। इन स्थितियों में, निवेशक या ट्रेडर अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रख पाता है।

इसके पीछे पैसा गवाने का डर, कम समय में ज्यादा पैसे बनाने लालच इत्यादि मुख्य कारण होते है।

अगर आपको ट्रेडिंग में महारथ हासिल करना है तो हमेशा लॉजिक के आधार फैसले लें। कभी भी अफवाहों पर ध्यान ना दें। फैक्ट्स और लॉजिक ही आपको प्रॉफिट दे सकती है।

6. पोर्टफोलियो में विविधता लाएं: शेयर बाजार के नियम में पोर्टफोलियो डायवर्सिफिकेशन यानी की विविधता की भूमिका पर बात करते है।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव एक आम घटना है। शेयर बाजार में उतार चढ़ाव के पीछे आर्थिक, राजनीतिक, ग्लोबल फैक्टर आदि मुख्य भूमिका निभाते है। ये सारे फैक्टर आपके स्टॉक को भी प्रभावित करती है।

ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए, अपने पोर्टफोलियो में विविधता लेकर आएं। केवल एक ही सेगमेंट में शेयर खरीदने के बजाए अलग-अलग सेगमेंट में इंवेस्टमेंट करें।

7. ट्रैंड के साथ ट्रेड: अगर बाजार किसी एक दिशा में ट्रेंड कर रही है तो आप निश्चित रूप से ट्रेंड का फायदा उठा सकते है। ट्रेंड को पहचानने के लिए विश्वसनीय स्रोतों की मदद लें। आप इससे यह पता लगा सकते है की कैसे यह ट्रेंड बाजार को प्रभावित करती है।

8. Be Rational: ऐसा हम इसलिए कह रहे है और शेयर बाजार के नियम में सबसे अंतिम स्थान पर रखा है क्योंकि आप सभी नियमों को पढ़ने के बाद ही अंतिम निर्णय ले सकें। निम्नलिखित कुछ मुख्य बिंदु है जिसका ध्यान रखे:

- शेयर बाजार एक वोलेटाइल मार्किट है जहां बहुत ज्यादा अस्थिरता होती है इसलिए कभी भी उधार लेकर ट्रेडिंग या निवेश ना करे।
- कैलक्युलेटिव रिस्क लें: अपनी क्षमता के अनुरूप ही जोखिम लें। यह विशेष रूप से इंट्राडे ट्रेडर के जरुरी नियमों में से एक है। जोखिम लेने से पहले, अपनी क्षमता का आकलन करे।
- भीड़ के पीछे न जाएं: कभी भी निवेश करने के लिए भीड़ के पीछे ना भागे। इसका मतलब यह कई रिश्तेदारों, दोस्तों या किसी के कहने पर आकर निवेश कर लेते है। लेकिन यह एक कारगर रणनीति नहीं है। इसमें असफल होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है।
- आपको कब और कैसे निवेश है यह आपके पूँजी, आपकी जोखिम की क्षमता पर तय होना चाहिए। दूसरों को बजाये खुद के विवेक से फैसले लें।

निष्कर्ष

शेयर बाजार में नफ़ा-नुकसान तो चलता रहता है, लेकिन आप ऊपर बताये 8 प्रमुख शेयर बाजार के नियम को पालन करते है तो नुकसान को कम किया जा सकता है।

आपके पास पर्याप्त समय होगा की आप अपनी गलतियों से सबक लेकर सही प्लानिंग, रणनीति, बेहतर पोर्टफोलियो का निर्माण कर सकें।

और ऐसा करने में इस लेख में बताये शेयर बाजार के नियम आपको मदद करेगी। आप इन 8 महत्वपूर्ण शेयर बाजार के नियम के साथ ट्रेडिंग की दुनिया में प्रवेश करें और शेयर बाजार में सफलता की नयी कहानी लिखें।

अगर आपको यह पोस्ट पसंद आया है या आपको इस पोस्ट से संबंधित किसी भी प्रकार का प्रश्न है तो कमेंट सेक्शन में अपनी प्रतिक्रिया जरूर दर्ज करे।

अभी ट्रेडिंग शुरू करने के लिए तुरंत ही डीमैट अकाउंट खुलवाएं। डीमैट अकाउंट खोलने के लिए नीचे दिए फॉर्म में बुनियादी विवरण दर्ज करे।

यहां अपनी बुनियादी विवरण दर्ज करे और आपको शीघ्र ही एक कॉलबैक प्राप्त होगी।

[rainmaker_form id="24531"]